शैक्षिक सत्र–2026–27

कक्षा–11

(3) ट्रेड–परिधान रचना एवं सज्जा

उद्देश्य–

(1) विभिन्न प्रकार के वस्त्रों को बाजार में उपलब्ध कराना।
(2) विभिन्न आयु वर्गों हेतु वस्त्रों का चुनाव करना।
(3) प्रचलित फैशन का विश्लेषण कर भविष्य के फैशन को बनाना।
(4) विभिन्न प्रकार की डिजाइनों के कौशल का विकास करना।
(5) आधुनिक फैशनों के आधार पर विभिन्न प्रकार के आरामदायक, न्यूनतम कीमत, विभिन्न आयु वर्ग के लिये वस्त्रों को बनाना।
(6) छात्र–छात्राओं में विभिन्न प्रकार के निर्मित सुन्दर वस्त्रों के लिये प्रशंसा की भावना का विकास करना।
(7) वस्त्र उद्योग में रोजगार प्राप्ति हेतु जागरूकता का विकास करना।
(8) वस्त्र उद्योग हेतु स्वरोजगार एवं रोजगार सम्बन्धी जानकारी देना।
(9) वस्त्र उद्योग के लिये आधुनिक उपकरणों से छात्रों को परिचित कराना।
(10) समय, शक्ति और सामग्री का अधिकतम उपयोग करना।
(11) छात्रों में टीम वर्क के लिये कार्य करने की आदतें और नैतिकता का विकास करना।

रोजगार के अवसर–

(1) परिधान रचना एवं सज्जा के किसी कारखाने/प्रतिष्ठान अथवा दुकान में रोजगार पा सकता है।
(2) परिधान रचना एवं सज्जा के क्षेत्र में अद्यतन रेडीमेड वस्त्रों के निर्माण कार्य में स्वरोजगार प्रारम्भ कर सकता है।
(3) होल सेल तथा रिटेल सेल का व्यवसाय चला सकता है।
(4) परिधान रचना एवं सज्जा में निजी प्रशिक्षण केन्द्र चला सकता है।
(5) परिधान रचना एवं सज्जा हेतु आवश्यक यंत्रों, उपकरणों एवं सामग्रियों की आपूर्ति करने का स्वरोजगार चला सकता है।
(6) परिधान रचना एवं सज्जा से सम्बन्धित यंत्रों/उपकरणों के मरम्मत हेतु वर्कशाप चला सकता है।
(7) यूनिफार्म तैयार करने हेतु वर्कशाप स्थापित करना।
(8) विभिन्न कुशल श्रमिकों को रोजगार दिलाना, जैसे ट्रेड डिजाइन, स्केजर, मशीन आपरेटर, फिनिश पैटर्न मेकर आदि।

पाठ्यक्रम–

इस ट्रेड में तीन–तीन घण्टे के पांच प्रश्न–पत्र और प्रयोगात्मक परीक्षा भी होगी। अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा :

	पूर्णांक		उत्तीर्णांक	
(क) सैद्धान्तिक–				
प्रथम प्रश्न–पत्र	60		20	
द्वितीय प्रश्न–पत्र	60		20	
तृतीय प्रश्न–पत्र	60	300	20	100
चतुर्थ प्रश्न–पत्र	60		20	
पंचम प्रश्न–पत्र	60		20	
(ख) प्रयोगात्मक–	400		200	

नोट–परीक्षार्थियों के प्रत्येक लिखित प्रश्न–पत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 20 तथा योग में 33 प्रतिशत अंक एवं प्रयोगात्मक परीक्षा में 50 प्रतिशत उत्तीर्णांक पाना आवश्यक है।

प्रथम प्रश्न–पत्र
(गृह विज्ञान का सामान्य ज्ञान)

1–व्यावसायिक शिक्षा का अर्थ एवं उद्देश्य। **20**

2–व्यावसायिक शिक्षा की आवश्यकता एवं लाभ– **20**

विकासशील भारत की आवश्यकतायें, आकांक्षाओं और अपेक्षाओं के अनुरूप शिक्षा व्यवस्था में व्यावसायिक शिक्षा का स्थान।
राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार व्यावसायिक शिक्षा का महत्व।
व्यावसायिक शिक्षा से छात्र, सामज एवं देश को लाभ।

समाज के गुणात्मक सुधार को सुनिश्चित करने हेतु पुरुष और स्त्री दोनों समान भागीदारी से निर्णय लेने और स्त्रियों को शिक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता के अवसर।
रोजगार ढूढ़ने वाले और रोजगार के अवसरों के बीच असंतुलन उत्पन्न करती जनसंख्या वृद्धि का ज्ञान।
मूल मानव मूल्य के साथ–साथ परिवार की खुशी और समाज कल्याण हेतु भविष्य के लिये मौलिक और भावात्मक सुरक्षा को सुदृढ़ बनाना।

(3) व्यावसायिक शिक्षा से सफल बनाने हेतु स्वास्थ्य का महत्व– **20**

घर तथा पास–पड़ोस की सफाई।
घर के विभिन्न कक्ष तथा उसमें रखे वस्तुओं की सफाई, रख–रखाव एवं व्यवस्था।
समय, श्रम व पैसे की बचत हेतु उपकरणों का ज्ञान।

द्वितीय प्रश्न–पत्र
(तन्तुओं का ज्ञान)

(1) तन्तुओं का वर्गीकरण– 10
(क)– प्राकृतिक तन्तु–सूती, रेशमी, ऊनी।
(ख) –मानव निर्मित तन्तु, नायलॉन, टेरीकाट आदि।
(2) विभिन्न वस्तुओं से निर्मित वस्त्रों की बुनाई, रंगाई, छपाई, परिसज्जा एवं रंगों के मेल का ज्ञान। 30
(3) सिलाई में काम आने वाली वस्तुओं का ज्ञान–इंचीटेप, गुनिया, मिल्टन, चाक, अंगुस्ताना तथा विभिन्न प्रकार की कैचियां आदि। 20

तृतीय प्रश्न–पत्र
(सिलाई के सिद्धान्त)
(भाग–1)

(1) कुशल टेलर और कटर बनने के लिये योग्यतायें।
(2) वस्त्र निर्माण के सिद्धान्त–
(क) चेस्ट सिस्टम द्वारा वस्त्र निर्माण।
(ख) सीधे सिस्टम द्वारा वस्त्र निर्माण।
(1) विभिन्न स्टैण्डर्ड नापों के चार्ट (शिशु, बालक, बालिकाओं तथा महिलाओं)। 12
(2) नाप लेते समय ध्यान देने योग्य बातें तथा सही नाप लेने के तरीकों का ज्ञान। 20
(3) सिलाई की मशीन के पुर्जों का ज्ञान (हाथ तथा पैर से चलने वाली, बिजली से चलने वाली मशीन तथा मशीन की साधारण खराबियों को दूर करना)। 28

चतुर्थ प्रश्न–पत्र
(सिलाई के सिद्धान्त)
(भाग दो)

(1) कपड़ा काटने से पूर्व ड्राफ्टिंग एवं पेपर कटिंग के लाभ, पेपर कटिंग द्वारा पैटर्न तैयार करने की योग्यता। 30
(2) भिन्न–भिन्न नापों के परिधानों से अपनी आवश्यकतानुसार नाप के परिधान बनाने की योग्यता। 10
(3) कढ़ाई के विभिन्न टांके–काटन स्टिच (ले डी जो), क्रास स्टिच, चापा स्टिच, कश्मीरी स्टिच, कट वर्क, पैच वर्क, वर्क नेट वर्क, रोज स्टिच शेड वर्क आदि। 20

पंचम प्रश्न–पत्र
(परिधान रचना एवं सज्जा)

(1) विभिन्न प्रकार के गले, कालर, चोक तथा अस्तर लगाने का ज्ञान। 26
(2) पाइपिंग झालर, लेस कढाई के टांकों, पेन्टिंग तथा वस्त्रों के मेल (काम्बीनेशन) से परिधान सज्जा का ज्ञान। 24
(3) पुराने एवं बिगड़े हुये आकार के वस्त्रों को नया रूप देकर वस्त्रों को संभालने की योग्यता। 10

प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम
प्रयोगात्मक क्रिया–कलाप
(क)

(1) रफू करना, पैच लगाना, पाइपिंग बनाना एवं टांकना।
(2) फाल बनाना एवं टांकना।
नोट––उपरोक्त वस्त्रों को काट कर सिलना एवं सिले वस्त्रों की सज्जा करना।

(ख)

शिशुओं के प्रयोग में आने वाले वस्त्र––
(1) बिब, कलोट, चड्ढी, जांघिया।
(2) सनसूट।

(3) कम्बीनेशन सूट।

नोट––उपरोक्त वस्तुओं के रेखाचित्र बनाना, काटकर सिलना एवं सिले वस्त्रों की सज्जा करना।

(ग)

बालक एवं बालिकाओं के वस्त्र––

(1) जांघिया, शमीज।
(2) फ्राक।
(3) कलीदार कुर्ता (बालक एवं बालिकाओं हेतु)।
(4) बंगला कुर्ता (बालक एवं बालिकाओं हेतु)।

नोट––उपरोक्त वस्त्रों का रेखाचित्र बनाना, वस्त्र काटना, सिलना एवं सज्जा करना।

(घ)

महिलाओं के वस्त्र––

(1) मैक्सी
(2) गाउन
(3) कप्तान
(4) नाइट सूट
(5) गरारा शरारा।

नोट––उपरोक्त परिधानों का रेखाचित्र बनाना, काटना एवं सिलाई के साथ सिले वस्त्रों की सज्जा करना।

टिप्पणी––प्रयोगात्मक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा।

प्रयोगात्मक परीक्षा का स्वरूप

(क) प्रयोगात्मक परीक्षा––

परीक्षार्थियों को चार प्रयोग दिये जायं :

प्रयोग नं0 1 (बड़ा प्रयोग)।
प्रयोग नं0 2 (बड़ा प्रयोग)।
प्रयोग नं0 3 (छोटा प्रयोग)।
प्रयोग नं0 4 (छोटा प्रयोग)।
(क) सत्रीय कार्य (सिले परिधान एवं रिकाड्र्स)।
(ख) कार्यस्थल पर प्रशिक्षण।

संस्तुत पुस्तकें––

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशक का नाम एवं पता	मूल्य
1	2	3	4	5
				रुपया
1	परिधान रचना एवं सज्जा	श्रीमती इन्द्रजीत कौर विन्द्रा	स्वास्तिक प्रकाशन एवं पुस्तक विक्रेता, अस्पताल मार्ग, आगरा	30.00
2	परिधान रचना एवं सज्जा	श्रीमती इन्द्रजीत कौर विन्द्रा	भारत प्रकाशन मन्दिर, मेरठ	18.00
3	प्रौद्योगिक गृह विज्ञान	डा0 प्रमिला वर्मा एवं डा0 कान्ति पाण्डेय	हिन्दी प्रचारक संस्थान, चौक, वाराणसी	70.00
4	स्पीडली होम ऐण्ड कामर्शियल टेलरिंग कोर्स	––	यूनिवर्सल बुक सेलर, लखनऊ	40.00
5	कटिंग ऐण्ड टेलरिंग पार्ट (1)	––	तदेव	30.25

उपचारात्मक शिक्षण हेतु चार यूनिट टेस्ट निम्नलिखित है–

(i) प्रथम यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित) जुलाई द्वितीय सप्ताह 20 अंक
(10 अंक ग्रीष्मावकाश गृहकार्य + 10 अंक यूनिट टेस्ट)

(ii) द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित) अगस्त अन्तिम सप्ताह 20 अंक

(iii) तृतीय यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित) नवम्बर अन्तिम सप्ताह 20 अंक

(iv) चतुर्थ यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित) दिसम्बर अन्तिम सप्ताह 20 अंक

नोट– उपरोक्त यूनिट टेस्ट उपचारात्मक शिक्षण के अन्तर्गत विद्यालय स्तर पर लिये जायेंगे। इनके प्राप्तांक परीक्षफल में सम्मिलित नहीं किये जायेंगे।